अभ्यास-पुस्तिका स्वस्ति — प्रथमो भागः

डॉ॰ कमलाकान्त मिश्र श्रीमती उमिल खुंगर



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् National Council of Educational Research and Training अप्रैल 1983 ভীন্ন 1905

P. D. 50 T-GLA

्© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंघान और प्रशिक्षण परिषद्, 1983

मुल्य : रु० 4.15

प्रकाशन विभाग में, श्री विनोद कुमार पंडित, सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरिवन्द मार्ग, नई दिल्ली-110016 द्वारा प्रकाशित तथा सरस्वती प्रिटिंग प्रेस, मौजपुर, दिल्ली-110053 में मुद्रित।

प्रस्तावना

संस्कृतस्य महत्त्वमृद्दिश्य विद्यालये संस्कृतिशिक्षणाय उपयुक्तपाठ्यक्रमपाठ्यपुस्तकादिविकासक्रमे प्रारम्भिककक्षाभ्यः राष्ट्रियमेकं चतुर्वर्षीयम् आदर्शं पाठ्यक्रमं निर्मीय राष्ट्रियशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षणपरिषदः सामाजिकविज्ञानमानविकीशिक्षाविभागेन स्वस्तिनामकं चतुर्भागात्मकं संस्कृतपाठ्यपुस्तकं प्रणीतं यत् छात्रेषु संस्कृतभाषाज्ञानेन सह नैतिकविकासायोपकारकं भवेदिति व्ययम् ।

पाठ्यपुस्तके पठितभाषातत्त्वानां सम्यगभ्यासाय विषयवस्तुनः सुकराधिगमाय च अभ्यासपुस्तिका निर्माणकमे प्रस्तूयते प्रथमोऽयं भागः। प्रयासोऽयं कियान् सफलः इति अनुभवसम्पन्नैः अध्यापकैरेव निर्णोष्यते।

पुस्तिकायाः अस्याः पाण्डुलिपिनिर्माणतत्समीक्षणसंशोधनप्रकाशनादिविविधकार्येषु कृतश्रमः विभागस्य संस्कृतप्रवाचकः डाँ० कमलाकान्तिभिन्नः प्रभूतं साधुवादार्हः। कार्येऽस्मिन् सहयोगाय खूंगरोपाधि- युक्ता श्रीमती उमिलाख्या प्रसादोपाधियुक्ता डाँ० कु० स्नेहलता च अस्माकं धन्यवादमह्तः। पाण्डु- लिपिसमीक्षणसंशोधनार्थमायोजितकार्यगोष्ठ्यामुपस्थाय ये संस्कृताध्यापकाः विषयविशेषज्ञाः बहुमूत्यं परामशादिकं प्रदत्तवन्तः, तान् प्रति परिषदियं स्वकृतज्ञतां प्रकटयति । पुस्तिकेयं छात्रेभ्यः उपयुक्ततरा भवेदेतदर्थम् अनुभविनामध्यापकानां विशेषज्ञानाञ्च परामशिः अस्माकं स्वागतार्हाः भवेयुः।

शिवकुमारमित्रः

निदेशक:

नबदेहली 31-12-81

राष्ट्रियशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षणपरिषद्



विषय-सूची

		पृष्ठाङ्काः
प्रस्तावना		٧
प्रथमः अभ्यासः	241	1
द्वितीयः अभ्यासः	***	6
तृतीयः अभ्यासः	***	10
चतुर्थः अभ्यासः	***	13
पञ्चमः अभ्यासः	• • •	16
षष्ठः अभ्यासः		22
सप्तमः अभ्यासः	***	27
अष्टमः अभ्यासः	***	30
नवमः अभ्यासः	***	35
दशमः अभ्यासः		39
एकादशः अभ्यासः	***	44
द्वादशः अभ्यासः	411	49
त्रयोदशः अभ्यासः	***	54
चतुर्दशः अभ्यासः	नोतिश्लोकाः	57
पञ्चदशः अभ्यासः	जन्त्राला	59

viii

षोडशः अभ्यासः	मूर्खवानरकथा	63
सप्तदशः अभ्यासः	सिंह-शशककथा	66
अष्टादशः अभ्यासः	दीपावलिः	70
एकोनविंशः अभ्यासः	धूर्तशृ गालः	73
विशः अभ्यासः	सिद्धार्थः	77
एकविशः अभ्यासः	दशमः त्वम् असि	80
द्वाविशः अभ्यासः	सुभाषितानि	85

प्रथमः अभ्यासः

		दिनांक	
उद्दे	J	तग शब्द और वर्तमान काल में प्रथम पुरुष के वचन के कियापद के रूपों का ज्ञान कराना।	
अनु	वाद करो		
	संस्कृत	हिन्दी	
ආ.	रामः पठति ।	राम पढ़ता है। (उदाहरण)	
ख.	च्यामः लिखति ।		
ग.	बालकाः पठन्ति ।		
घ.	ते लिखन्ति ।		•
ङ.	सः पठति ।		ł

1.

च. नराः धावन्ति ।

2	जम्यास-पुरस्तक। 1
	छ. अश्वः धावति ।
	ज. नराः चलन्ति ।
	(अध्यापक द्वारा रेखांकित अशुद्ध पदों एवं वाक्यों के संशोधन हेतु स्थान)
	संशोधन
2.	रिक्त स्थान भरो
•	क. सः पठित । (उदाहरण)
	ख- नराः
	ग. सः
	घ. बालकः
	इ. लिखन्ति ।
	च. लिखति ।
	छ. अश्वः
	ज- चलन्ति ।

प्रथमः		ासः ोघन	3
		7	
3.	संस्	कृत में अनुवाद करो—	•
		हिन्दी	संस्कृत
	क.	मोहन पढ़ता है।	मोहनः पठति । (उदाहरण)
	ख.	लड़के लिखते हैं।	
	ग्.	वह पढ़ता है।	
	घ.	वे लिखते हैं।	
	₹.	घोड़ा दौड़ता है।	
	च .	लड़के दौड़ते हैं।	

संशोधन

4. चित्रों की सहायता से निम्नलिखित रिक्त स्थान भरो-

	क. बालक	: ····································
ख.	खेलन्ति ।	
4 minimum.	ग. अरुव:	

घ• '''''	 खा द न्ति ।		
संशोधन	 	······	

द्वितीयः अभ्यासः

		दिनांक
	उद्देश्य —आकारान्त स्त्रीलि कराना ।	ग शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन का ज्ञान
1.	अनुवाद करो—	
	· सं स्कृत	हिन्दी
	क. बालिका पठति ।	लड़की पढ़ती है। (उदाहरण)
	ख. छात्रा क्रीडति ।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	ग. सा पचित ।	
	घ. ताः क्रीडन्ति ।	
	ङ सुधा पठति ।	
	च. बालिकाः हसन्ति ।	

द्वितीयः अभ्यासः	7
छ. ताः धा वन् ति ।	
ज. ते हसन्ति।	
. संशोधन	
2. रिक्त स्थान भरो	
क. बालिका हसति।	(उदाहरण)
ख.	क्रीडति ।
ग. छात्राः	
घ.	······ पठति ।
ङ. रमा	
ਚ.	हसन्ति ।
छ. राधा	

ज. प्रभा

8

4.	चित्रों	की	सहायता	से	रिक्त	स्थान	भरो
----	---------	----	--------	----	-------	-------	-----

क. बालिका	
ख.	ण्ठिन्त ।
ग. गङ्गा।	The state of the s
संशोधन	

तृतीयः अभ्यासः

उद्देश्य-अकारान्त नपुंसकालिंग शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन का परिचय कराना।

1. रेखांकित पदों को उपयुक्त सर्वनाम द्वारा बदलो-

क. फलम् पतिति।	तत्	पतति ।	(उदाहरण)
ख. बालिकाः हसन्ति।	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	हसन्ति ।	
ग. कमलानि विकसन्ति ।		विकसन्ति ।	
घ. नरः चलति ।	.	चलति ।	·
ङ. अश्वाः धावन्ति ।		धावन्ति ।	
च. छात्रा पठित ।	***************************************	पठित ।	
छ. चक्रम् चलति ।	***************************************	चलति ।	

तृतीय	: अभ्यासः		11
	संशोधन		
	•		
2.	कोष्ठक में दिये शब्दों में	से उपयुक्त शब्द चुनकर खाली स्थ	ान भरो—
	(तत्, सा, तानि,	सः, ते) — —	
	क. ते	बालकाः क्रीडन्ति ।	(उदाहरण)
	ख.	पुष्पाणि विकसन्ति ।	
	ग.	पत्रम् पतति ।	
	घ.	तव अरव:।	
	ङ.	मम माला।	
	च.	अरुवाः धावन्ति ।	
	संशोधन		***************************************
•	·		

3.	चित्रों	की	सहायता	से	रिक्त	स्थान	भरो
----	---------	----	--------	----	-------	-------	-----

क	विकसति ।	
	ख. फलानि	······································
संशोधन	•••••	

चतुर्थः अभ्यासः

न एवम् अपि का प्रयोग कराना ।

	•		दिनाक ''''	
उद्देश्य — मध्यमपुरुष	के एकवचन	और	बहुवचन का प्रयोग,	नकारात्मक

1. अनुवाद करो —

संस्कृत हिन्दी

क. त्वम् पचिस । तू पकाता है। (उदाहरण)

ख. त्वम् धाविस ।

ग. यूयम् खादथ ।

घ. त्वम् खादिस ।

ङ. यूयम् पचथ ।

च. यूयम् पठथ ।

14	अभ्यास-पुस्तिका 1
	छ. त्वम् लिखसि ।
	ज. यूयम् हसथ ।
	संशोधन
2.	खाली स्थान भरो
	क. त्वम् पठिस । (उदाहरण)
	ख. यूयम्
	ग. ऋीडथ ।
	घ. विकसन्ति ।
	ङ. ''''ं न लिखति।
	च. ते
	छ. त्वम् अपि
	संशोधन

चतुर्थः अभ्यासः

3. संस्कृत में अनुवाद करो—

हिन्दी	संस्कृत	
क. तू हँसता है ।	त्वम् हससि	(उदाहरण)
ख. तुम सब खेलते हो।		
ग. राम पढ़ता है।		
घ. इयाम भी पढ़ता है।		
ङ. लता लिखती है।		
च. लड़की भी पढ़ती है।		
छ. वे नहीं खाते हैं।		
संशोधन	·	
***************************************	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

पञ्चमः अभ्यासः

	दिनांक	
उद्देश्य— उत्तम पुरुष के एक अव्ययों का प्रयोग	वचन व बहुवचन तथा अत्र , करना।	कुत्र, तत्र आदि
अनुवाद करो—		
संस्कृत	हिन्दी	
क. सः चलति ।	वह चलता है।	(उदाहरण)
ख. त्वम् चलिस ।		
ग. अहम् चलामि ।		
घ. ते चलन्ति।		

1.

ङ. यूयम् चलथ ।

च. वयम् चलामः।

पञ्चमः अभ्यास	:	17
छ. सः	न गच्छति ।	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
संशोधन	T	
2. * 315-7 1	ਜੇਂ ਇਹ ਜਹ ਕਰਦੀਂ ਜੇਂ ਚਲ ਬਾਰ	के स्थान पर कीड्, धाव्, खाद्,
	म् (गच्छ) रूपों का प्रयोग करते	
और गः		हुए वाक्य बनाओ—
और गः	म् (गच्छ) रू पों का प्रयोग करते	हुए वाक्य बनाओ—
और गः	म् (गच्छ) रू पों का प्रयोग करते	हुए वाक्य बनाओ—
और गः	म् (गच्छ) रू पों का प्रयोग करते	हुए वाक्य बनाओ—
और गः क. सः 	म् (गच्छ) रू पों का प्रयोग करते	हुए वाक्य बनाओ—

.

3.

ख.	सः धावति		घ.	स:	गच्छति		
		*****		•••••			•••••
		•••••	••••••				
		•••••	•••••		•••••	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	•••••
		••••••		•••••	•••••	••••••	
		******		••••••		•••••	
		******		•••••	•••••	•••••••	•••••••
संशे	घन	************	*******	******	**********	************	
	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••		•••••	• • • • • • •	••••	•••••••	
नीचे	दिए गए तीनों वर्गों में	से एक-ए	क दा	हिंद <u>ें</u>	चुनकर	अधिक	से अधिक
वाव	य बनाओ—						
अह	म्	ধর				पठथ	
वयः	म्	तत्र				हससि	
त्वम	Ĺ	कुत्र				नमामि	

पञ्चमः अभ्यासः

यूयम्	अपि	खा दन् ति
ते	न	ः कीडाम:
ताः	AATTA AAA maga	गच्छन्ति
ताः न गच्छन्ति ।	(उदाहरण)	
	1	
	1	
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	1	1
	1	
		······
	1	
	1	
संशोधन		

5.

4. संस्कृत में अनुवाद करो-

	हिन्दी	संस्कृत		
क.	मैं यहाँ पढ़ता हूँ।	अहम् अत्र प	ाठामि ।	(उदाहरण)
ख.	हम सब वहाँ जाते हैं।			
ग.	लड़िकयाँ दौड़ती हैं।			
घ.	लता नमस्कार करती है।			
₹.	वे खेलते हैं।	***	••••••	••••••
뒥.	तू नहीं चलता है।	***************************************		
संश	ोधन			······································
चि	त्रों की सहायता से प्रक्नों के	उत्तर दो—		
क.	त्वम् किम् करोषि ?		The state of the s	(0,5)

ख. त्वम् किम् करोषि ?	3
ग. यूयम् किम् कुरुथ ? उत्तर	l
घ. यूयम् किम् कुरुथ ? जन्म -	
संशोधन	

षष्ठः अभ्यासः

			ंदि नां क	•••••••
	उद्दे	इ य — कर्मकारक का ज्ञान करान	πι	
1.	अनु	वाद करो—		
		संस्कृत	हिन्दी	
	丣.	छात्रः पाठशालाम् गच्छति ।	छात्र विद्यालय जाता	है। (उदाहरण)
	ख•	नराः चित्रम् पश्यन्ति ।		
	η.	सा उद्यानम् गच्छति ।		
	घ.	तानि फलानि तत्र सन्ति ।		
	ਭ∙.	अहम् फलम् खादामि ।		

च. प्रभा तत्र भोजनम् पचति ।

संशोधन

	छ.	त् वम् प	त्रम् लिखसि ।	·
	संशो	घन '''		·
2.	खाल	 ती स्थान	ा भरो	
	क.	कन्याः	विद्यालयं गच्छन्ति ।	(उदाहरण)
	ख.	अहम्		खादामि ।
	ग.	वय म्		पठामः ।
	घ.	त्वम्		लिखसि ।
	ङ.	स:		पश्यति ।
	둭.	प्रभा		पचिति।

3. संस्कृत में अनुवाद करो-

	हिन्दी	· संस्कृत	
酐.	रमा पत्र लिखती है।	रमा पत्रम् लिखति ।	(उदाहरण)
ख.	तुम चित्र देखते हो ।		•••••
ग.	लड़के उद्यान में खेलते हैं।		······································
घ.	वह घर जाती है।		· ····································
ਭ∙.	वे फल खाते हैं।		
펵.	हम तेज दौड़ते हैं।	•••••	
सं श े	ोधन		
		.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	••••••

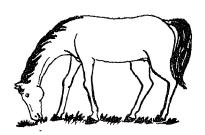
4. निम्नांकित चित्रों के आधार पर संस्कृत में वाक्य बनाओ-





ख

ग्.



ঘ. ি		
संशी	धन	

सप्तमः अभ्यासः

		दिनांक	
	उद्देश्य-सम्बन्ध कारक के रूपों का	ज्ञान कराना ।	
1.	अनुवाद करो—		
	संस्कृत	हिन्दी	
	क. कुसुमानाम् माला कुत्र अस्ति ?	फूलों की माला कह	हाँ है (उदाहरण)
	ख. कुसुमानाम् माला अत्र अस्ति ।		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
	rintaren (a		
	गः मोहनः गोविन्दस्य गृहम् गच्छति ।		
		(/*****************************	**************************************
	घ. अयम् गोपालस्य विद्यालयः अस्ति।	,	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
	***************************************	***************************************	*************************************
	ङ. अश्वानाम् समूहः तृणम् खादति ।	,	*************************
	fereest;;;::;q\$;;;;::;+\$;::;+;;;;;;;;;;;;;;;;;;	## 1 2 2 2 2 3 4 4 4 4 4 4 4 4 4	

	च. छात्राः कुत्र गच्छन्ति ?	.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
		······································
	संशोधन	
2.	कोष्ठक में दिए हुए शब्दों के साथ उ भरो—	प्युक्त विभक्ति लगाकर खाली स्थान
	क. सः रमेशस्य अक्वः अस्ति । (रः	मेश) (उदाहरण)
	ख. रामः	पुत्रः । (गोविन्द)
	π.	······ समीपे कूपः अस्ति । (उद्यान)
	घ. """"""""""""""""""""""""""""""""""""	समूहः कुत्र धावति ? (छात्र)
	ङ. छात्राः	गच्छन्ति । (विद्यालय)

सप्तमः अभ्यासः		29
संशोधन "		
	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	
3. संस्कृत में उ	गनुवाद करो— <u> </u>	
हिन्द	ो	संस्कृत
क. राकेश	का विद्यालय दूर है ।	राकेशस्य विद्यालयः दूरम् अस्ति । (उदाहरण)
ख. मेरा टि	ाद्यालय समीप है।	
ग. तुम्हारा	घर कहाँ है ?	
घ. लड़के	महाँ खेलते हैं ?	
ङ. तुम सब	। कहाँ जाते हो ?	

संशोधन

अष्टमः अभ्यासः

		दिनांक
	उद्देश्य-अधिकरण कारक का प्रयोग	कराना ।
1.	अनुवाद करो	
	संस्कृत	हिन्दी
	क. वनेषु मृगाः विचरन्ति ।	वन में हरिण विचरण करते हैं। (उदाहरण)
	ख. सः गृहे फलानि खादति ।	
	ग. ताः बालिकाः उद्यानेषु भ्रमन्ति ।	
	घ. तडागे कमलानि विकसन्ति ।	

	ङ. पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति ।	
	संशोधन	
2.	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उपयुक्त	त विभक्ति लगाकर वाक्य पूर्ण करो—
	क. वृक्षेषु फलानि सन्ति । (वृक्ष)	(उदाहरण)
	ख. रमा	······· भोजनम् पचति । (गृष्ट् ₎
	ग.	······ भ्रमराः गुञ्जन्ति । (पुष्प)
		जलम् अस्ति । (त डाग)
	ङ.	चित्राणि सन्ति । (पुस्तक)
	च. अध्यापकाः	सिन्त । (विद्यालय)
	संशोधन	
	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	

3. रेखांकित उदाहरणों के अनुसार खाली स्थान भरो-

लता	लतायाम्	लतासु (उदाहरण)
वाटिका			
कन्या		•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	
गङ्गा	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	
वृक्षः	वृक्षे	<u> वृक्षेषु</u>	
मनुष्य:		······································	
पुत्रः		,	
भ्रमरः			
वनम्	वने	वनेषु	
पुस्तकम्		•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••	
शरीरम्			
प ढ कम	**************	***************************************	

च. कमला सीता के साथ जाती है।

संशोध न

5. निम्नांकित चित्रों को देखकर रिक्त स्थान भरो-

क. कम	ालानि विकसन्ति ।			
		ख. आम्	फ्लानि सन्ति	l
ग. छा	त्राः पठन्ति ।			
संशोधन				

नवमः अभ्यासः

	ि दिनांक
उद्देश्य— करण कारक, सह अव्यव औः प्रयोग कराना ।	र भविष्यत् काल (लृट्-लकार) का
अनुवाद करो	
संस्कृत	हिन्दी
क. बालिकाः कन्दुकेन क्रीडिष्यन्ति ।	लड़िक्याँ गेंद से खेलेंगी। (उदाहरण)
ख. ताः कलमेन पत्राणि लिखन्ति ।	

ग. अहम् अद्य वाटिकाम् गमिष्यामि ।	

1.

घ. श्यामः मित्रेण सह गृहम् गमिष्यति ।
ङ ते रथेन ग्रामम् गच्छन्ति ।
च. सीता केन सह वनम् गच्छिति ?
छ. यूयम् केन यानेन नगरम् गच्छथ ?
ज. ते वृन्दावनम् कदा गमिष्यन्ति ?
संशोधन

2.	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उरि भरो—	चत विभक्ति लगा कर	रिक्त स्थान
	क. सः कन्दुकेन क्रीडिष्यति । (क	न्दुक)	(उदाहरण)
	ख. अहम्	पत्रम् लिखामि	। (कलम)
	ग. त्वम्	सह पाठशालाम् गमिष्यसि	। (सुनील)
	घ. गोपाल:	सह पठिष्यति	। (सुधीर)
	संशोधन		
3.	दिए गए उदाहरण के अनुसार प	रवर्तन करो—	
	क. राम: गच्छति ।	रामः गमिष्यति ।	(उदाहरण)
	ख. गोपाल: कृषिम् करोति । ""		
	ग . छ ात्राः सत्यम वदन्ति ।	***************************************	

4.

घ. बालकाः समाचारपत्रम् पठन्ति । '''''	
ङ. नराः वाटिकायाम् भ्रमन्ति ।	
च. अरुवाः वेगेन धावन्ति ।	
छ. छात्राः कलमेन लिखन्ति । '''''	
संशोधन	
संस्कृत में अनुवाद करो—	
हिन्दी	संस्कृत
क. इयाम राम के साथ विद्यालय	इयामः रामेण सह विद्याल य म्
जायेगा ।	गमिष्यति । (उदाहरण)
ख. मैं मित्र के साथ उद्यान में खेलूंगा।	

ग. मीरा गेंद से खेलती है।	
घ. छात्राएँ पाठ पढ़ेंगी ।	
ङ. छात्र प्रयाग जायेंगे।	
संशोधन	

दशमः अभ्यासः

		दिनांक
	उद्देश्यअ पादान कारक का परिचय का बोध कराना ।	एवम् करण कारक से उसकी भिन्नता
•	अनुवाद करो—	
	संस्कृत	हिन्दी
	क. वृक्षेभ्यः कुसुमानि पतन्ति ।	पेड़ों से फूल गिरते हैं। (उदाहरण)
	ख. बालः आपणात् आगच्छति ।	··· ·· ··· ··· ·· ·· ·· ·· ·· ·· ·· ··
	ग. अहम् नगरात् बहिः गमिष्यामि	1

	घ. अध्यापकः पुस्तकालयात् पुस्तकानि आनयति । """"	•
		•
	ङ. गोविन्दः सायम् मित्रैः सह क्रीडित ।	•
	.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	
	च. सः गृहात् मित्रेण सह आगच्छति ।	
	संशोधन	•
2.	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगाकर रिक्त स्थान भरो-	
	क. सः कन्दुकेन ऋीडित । (कन्दुकेन, कन्दुकात्) (उदाहरण)	
	ख मम गृहम् दूरम्। (विद्यालयस्य, विद्यालयात्)	
	ग. त्वम् दुग्धम् " । (पिबति, पिबसि)	

3.

घ. अहम् विद्यालयम्	। (गच्छति, गच्छामि)
ङ. सः	पतति । (वृक्षस्य, वृक्षात्)
च. पिता बालाय आम्नवृक्षात् फल	गनि।
	(त्रोटयति, त्रोटयन्ति)
संशोधन	
	-
संस्कृत में अनुवाद करो—	
हिन्दी	संस्कृत
क. राम घर से जायेगा।	रामः गृहात् गमिष्यति । (उदाहरण)
ख. पेड़ों से फूल गिरते हैं।	
ग. लता गेंद से खेलती है।):::::::::::::::::::::::::::::::::::::

घ.	क्याम प ुस् तक पढ़ता है ।	
ङ.	मोहन दूध पीता है।	
च.	रमा चित्रों को देखती है।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
छ.	लड़के घरों से आते हैं।	
संश	ोधन	

4. चित्रों की सहायता से खाली स्थान भरो-

क. प्रवहति ।



	ख. *******	 [·] आगच्छन्ति ।
ग	 पतन्ति ।	
संशोधन	 	

एकादशः अभ्यासः

		दिनांक
	उद्देश	य—सम्प्रदान कारक के एकवचन व बहुवचन का परिचय कराना ।
1.	अनुद	गद करो
	क.	माता रामाय भोजनम् पचित ।
		माता राम के लिए भोजन बनाती है। (उदाहरण)
	ख.	पिता बालकेभ्यः मोदकानि ददाति ।

	ग.	ताः बालिकाः पाठशालाम् पठनाय गच्छन्ति ।

	घ.	शिक्षकः छात्रेभ्यः विद्याम् ददाति ।

	ङ. सज्जनाः देवेभ्यः फलानि अर्पयन्ति ।
	······································
	संशोधन
2.	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगाकर खाली स्थान भरो-
	क. सः मोहनाय जलम् आनयति । (मोहनम्, मोहनाय) (उदाहरण)
	खः भोजनम् खादति । (त्वम्, सः)
	ग. मोहनः पत्रम् । (लिखसि, लिखति)
	घ. जनकः """ मोदकानि ददाति । (बालेभ्यः, बालान्)
	ङ. सा भ्रमणाय तत्र। (गच्छसि, गच्छति)
	च. अहम् मित्राय पुस्तकम्। (ददासि, ददामि)

ग. माता	कस्यै मोदकम् ददाति ?	
संशोधन		

द्वादशः अभ्यासः

		दिनांक ''''''''
	उद्दे	य—पूर्वपठित कारकों का अभ्यास कराना ।
1.	अनुव	त्राद करो—
	क.	माता पुत्राय दुग्धम् ददाति ।
		माता पुत्र को दूध देती है। (उदाहरण)
	ख.	अहम् रामेण सह तत्र गमिष्यामि ।
		•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
٠,	ग्.	बालकाः कन्दुकेन उद्याने क्रीडन्ति ।

	घ.	कन्याः उद्यानात् पुष्पाणि आनयन्ति ।

	ङ. ते विहाराय उद्यानम् गच्छान्तुः ।
	च. वयम् गीतम् गायामः।
	संशोधन
2.	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द लगा कर खाली स्थान भरो-
	क. बालकाः बालकैः सह धावन्ति । (बालकैः, बालकेभ्यः) (उदाहरण)
	ख. चित्राणि पश्यन्ति । (वयम्, ते)
	ग. सः पाठशालाम् गच्छति । (पठने, पठनाय)
	घ. अरुवः "पादेन, पादैः)

संशोधन	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••

4. चित्रों की सहायता से संस्कृत-वाक्यों को बनाओ-

चित्र

वाक्य-रचना



-	
9n	



ख.

ग.		
13		
संशोधन		

वयोदशः अभ्यासः

		दिनांक
	उद्दे	ध्य—आज्ञार्थक वाक्यों (लोट्-लकार) का प्रयोग कराना ।
1.	अनुः	त्राद करो
	क.	शेखर! त्वम् उत्तमानि पुस्तकानि पठ।
		शेखर ! तुम अच्छी किताबें पढ़ो । (उदाहरण)
	ख.	बालकाः ! यूयम् चित्राणि लिखत ।
	₹.	यूयम् कीडाक्षेत्रे कीडत ।
	घ.	सत्यम् वद ।

ङ. राम, तुम गाँव जाओ।

च. मोहन, तुम दूध लाओ।

56

त्रयोदशः अभ्यासः	57
संशोधन	
,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	,
3. चित्रों की सहायता से आज्ञार्थव	ह वाक्य बनाओ—
क	
	ख.
संशोधन	······································
······································	

चतुर्दशः अभ्यासः

नीतिश्लोकाः

	दिनांक
उद्देश	य—इलोकों का शुद्ध उच्चारण एवं सस्वर पाठ सिखाना और इलोकों के मुख्य भाव का परिचय कराना।
	निलिखित भावों के अनुसार अपनी पुस्तक से इलोक चुनकर खाली नों को भरो—
ক.	वृद्ध और गुरुजन का आदर करने वाले की बढ़ोतरी होती है।
	,
	निक स्था

ख.	आलसी मनुष्य समाज में सुख नहीं पाता है।
ग.	प्रयत्न से ही कार्य सिद्ध होते हैं, केवल चाहने से नहीं।
	·
घ.	उदार मनुष्य के लिए सारा संसार ही एक परिवार है।
संश	ोधन

पञ्चदशः अभ्यासः

जन्तुशाला

		दिनांक
	उद्देश्य-भूतकाल (लङ्-लकार)	का प्रयोग सिखाना।
1.	अनुवाद करो—	
	संस्कृत	हिन्दी
	क. रमा पुस्तकम् अपठत् ।	रमा ने पुस्तक पढ़ी। (उदाहरण)
	ख. ते चित्राणि अपश्यन् ।	

	ग. माता भोजनम् अपचत् ।	
	4,000,000,000,000,000,000,000,000,000,0	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

घ. त्वम् ह्यः पाठशालाम् अगच्छः ।
ङ. अहम् पूजनाय मन्दिरम् अगच्छम् ।
च. यूयम् उद्याने अक्रीडत ।
•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
छ. वयम् दुग्धम् अपिबाम ।

संशोधन

2	कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान में भरो-
	क. बालाः पठनाय पाठशालाम् अगच्छन् । (अगच्छः, अगच्छन्) (उदाहरण)
	ख. पिता पुत्राय मोदकाि "" । (आनयन्, आनयत्)
	ग. ते दुग्धम् (अपिबत्, अपिबन्)
	घ. किम् त्वम् मोदकम् """ । (अखादत्, अखादः)
	ङ. यूयम् दुग्धम् """"। (अपिबत, अपिबम्)
	च. अहम् उद्यानम्। (अगच्छः, अगच्छम्)
	छ. वयम् चित्राणि । (अपश्यत्, अपश्याम)
	संशोधन

3.	संस्कृत में अनुवाद करो—
	क. सीता राम के साथ वहाँ खेली।
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	ख. सीता के साथ लक्ष्मण भी गया।
	ग. बालकों के साथ बालिकाएँ भी चिडियाघर गई ।
	घ. मेरे साथ व्याम भी जलपानघर से आया।
	ङ. तुम्हारे साथ किसने दूध पिया ?
	संशोधन

4.	निम्नलि	खित ऋिय	ाओं के	द्रारा	वाक्य	रचना	करो
----	---------	---------	--------	--------	-------	------	-----

क.	अधावत्	बालकः अधा व त् ।	(उदाहरण)
ख.	अखादत्	•••••	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
ग,	अलिखाम		
घ.	अपरय:		
संशे	ोधन	······································	
	***********		***********

षोडशः अभ्यासः

मूर्खवानरकथा

		दिनौक	
•	उद्देश्य भूतकाल (लङ् लकार) का अभ्य	गास करान	TT t
1.	रिक्त स्थानों में भूतकाल की क्रिया पद भ	।रो -	
	क. नीडेषु खगाः अवसन् ।		(उदाहरण)
	ख. वानरः वृक्षतले	••••••••••	
	ग. रामः ह्यः मम गृहम्	*************	
	घ. पशवः क्षेत्रे	•••••	
	ङ. नगर्या महती वृष्टि:	2 722224498 8938938988	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

षोडशः अभ्यासः			67
संंशोधन			
••••	······································		
3. निम्नलिखि	त प्रक्तों के उत्तर दो—	-	
प्रदन		उत्तर	
क. वानर	: कुत्र अवसत् ?	वानरः वृक्षतले अ	वसत् । (उदाहरण)
ख. वानर	: कथम् कम्पितः आसी	त् ?	
***************************************	••••••		
ग. वानर	म् के निन्दन्ति स्म ?		

घ. वान	ः केषाम् नीडानि वृक्षा	त् अपातयत् ?	

₹.	उपदे	शः ः	केषाम्	् प्रकोप	ाय भ	विति	?	***********	 *********	••••••	*******
		•••••	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		•••••		••••		 ••••••	•••••	•••••••
									·		
सश	धन										

सप्तदशः अभ्यासः

सिंह-शशककथा

	दिनांक	***********	***************************************
उद्देश्य-स्म का प्रयोग तथा	पूर्व पठित लकारों की	पुनरावृधि	ते ।
प्रक्तों के उत्तर हिंदी में दो—	-		
प्रदन	उत्तर		
क. दुर्दान्तः कुत्र अवसत् ?	दुर्दान्त पर्वत पर रहत	ताथा ।	(उदाहरण)
ख. शशकः तम् कुत्र अनयत् ?	\11,11,141\111\111\111\111\111\111\111\1	*************	***************************************
		*****************	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
ग. सिंहः कूपे किम् अपग्रयत् ?	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••		
***************************************		**********	***************

1.

70

अभ्यास-पुस्तिका 1

	घ.	खरगोश बहुत च	ातुरथा।	•••••••••••••••••••••••••••••••	
	₹.	खरगोश शेर को	कुएँ के पास ले	गया ।	······································
		••,•••••			***************************************
	퍽.	शेर ने कुएँ में ब	भपनी परछाईं देख	मे ।	······································
	संश	ाोधन			
		•••••	•••••		
				,	
3	नि	म्नलिखित उदाहर	एणों के अनुसार	पाठ में आई हुई	भूतकाल की सभी
	ন্নি	व्याओं को चुनकर	लिखो—		
		वसति स्म,	अचिन्तयत्,		
		**********	******	***********	***********

72				अभ्यास-पुस्तिका 1
	,		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	
	***************************************		***************************************	
			•••••	
			·	
	सं शोधन	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••		
4.	निम्नलिखित	क्रियाओं से वाक्य बन	া ओ—	
	क. करोति स	म सः उद्य	ाने भ्रमणं करोति	स्म। (उदाहरण)
	ख. अगच्छत्			
	ग. अवदत्		••••••	
	घ. आसीत्		······································	

प्तदशः अभ्यासः	73
ङ. अभवत्	
संशोधन '''''	

अष्टादशः अभ्यासः

दीपावलिः

1.

	दिनांक	
उद्देश्य-वर्तमान काल तथा भूतकाल की पुनर	ावृत्ति ।	
खाली स्थान भरो—		
क. दीपावल्याः उत्सवः अतीव रम्यः अस्ति ।		(उदाहरण)
ख. जनानाम् हृदयेषु	************	भवति
ग जनाः गृहाणि	*************	
घ. श्रीरामचन्द्रः युद्धे रावणम्	*******	•••••••••••••••••••
ङः दीपावल्याः दिवसे जनाः रात्रौ	*************	73/401/0/////////////////////////////////
संगोधन		:>++++
संशोधन		
4:4		

2.	संस्कृत	में	अनुवाद	करो
247	11 , 6, , ,	•		• ••

क. दीवाली के त्यौहार को सब लोग उत्साह से मनाते हैं।
दीपावल्याः उत्सवम् सर्वे जनाः उत्साहेन आयोजयन्ति । (उदाहरण)
ख. बच्चे खिलौने से खेलते हैं।
,
ग. सब लोग मिठाई खाते हैं।
घ. रात को लक्ष्मी की पूजा करते हैं।
ङ. लोग अपने मित्रों को शुभ संदेश भेजते हैं।
संशोधन

3. निम्नलिखित क्रियाओं को वर्तमान एवं भविष्यत् काल में उसी पुरुष एवं वचन में बदलो—

	भूतकाल की किया	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
क .	अभवत्	भवति	भविष्यति (उदाहरण)
ख.	आलोकयन्		······································
ग.	अजयन्	••••••	••••••
घ.	आगच्छत्	•••••	***************************************
ङ.	अभूषयम्	***************************************	······································
च.	अपठ:	•••••	***************************************
aj=	ग्रोधन		
40			

एकोनविंशः अभ्यासः

धूर्तशृगालः

	दिनांक
	उद्देश्य कत्वा प्रत्यय का प्रयोग सिखाना।
1.	संस्कृत में उत्तर दो
	क. काकः भूमौ किम् अपश्यत् ?
	काकः भूमौ एकं मांसखण्डम् अपव्यत् । (उदाहरण)
	ख. सः कुत्र उपाविशत् ?

	ग. वृक्षस्य समीपे अन्यः कः आगच्छत् ?

78

एकोन	विशः	अभ्यासः 79
	ग.	श्रृगालः शाठ्येन (काकम्, काकेन) अवदत् ।
	घ.	श्चगालः मांसखण्डम् """ (दृष्ट्वा, दृष्ट्या)
		लुब्धः अभवत् ।
	संश	ोधन
3.	संस्कृ	कृत में अनुवाद करो—
	क.	एक कौआ भूखा था।
		एकः काकः बुभुक्षितः आसीत् । (उदाहरण)
	ख.	कौए के मुख में मांस का टुकड़ा था।
	ग.	सियार चालाक था।

80

विंशः अभ्यासः

सिद्धार्थः

	दिनांक
	उद्देश्य-तुमुन् प्रत्यय का परिचय और भूतकाल की पुनरावृत्ति ।
1.	संस्कृत में उत्तर दो—
	क. सिद्धार्थः भ्रमणाय कुत्र अगच्छत् ?
	सिद्धार्थः भ्रमणाय उपवनम् अगच्छत् । (उदाहरण)
	ख. उपवने खगाः किम् कुर्वन्ति स्म ?

	ग. हंसं दृष्ट्वा देवदत्तः किम् अकरोत् ?
	ASSESSED 1.00 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10

	घ.	सिद्धार्थः देवदत्त किम् अवदत् !	
	ar.	शरेण विद्धः हंसः कुत्र अपतत् ?	
	5.	રાશ્યા વહે. ઇસ. જુત્ર અવલલ્ :	
	귝.	हंसस्य रक्षकः कः आसीत् ?	
	-		
	संश	ोधन	
		······································	
2•	ला	ली स्थानों में उपयुक्त शब्द भरो—	
	क.	खगाः कलरवम् अकुर्वन् ।	(उदाहरण)
	ख.	देवदत्तः शरेण	अविध्यत् ।
	ग.	देवदत्तः सिद्धार्थम्	1

एकविंशः अश्यासः

दशमः त्वम् असि

		दिनांक
	उद्देश	य—एक से दस तक संख्यावाचक शब्दों का ज्ञान कराना।
1.	संस्कृ	त में उत्तर दो
	क.	कति बालकाः स्नानाय अनच्छन् ?
•		दश बालकाः स्नानाय अगच्छन् । (उदाहरण)
	ख.	ते स्नानाय कुत्र अगच्छन् ?
**		***************************************
	ग.	बालक: कम् न अगणयत् ?
		······································

एकविंश: अभ्यासः 85					
घ.	मार्गे कः अगच्छत्	;	•••••••••••••••••••••••••••••••••••••••		
		***************************************	***************************************		
ङ.	पथिकः किम् अवर	दत् ?	***************************************	······································	
		***************************************	••••••		
संद	संशोधन				
,					
2. निम्नलिखित शब्दों के संस्कृत शब्द बताओ—					
	हिन्दी		संस्कृत		
	एक		एक:	(उदाहरण)	
	दो		***************************************		
	तीन		•••••		
	चार		************		

पाँच

3.

	ন্ত:				
	सात				
	आठ	······································			
	नौ	·			
	दस				
संशोध	संशोधन				
संस्कृत में अनुवाद करो-					
क. चार लड़के खेलने के लिए बाग में जाते हैं।					
चत्वारः बालकाः कीडनाय उपवनम् गच्छन्ति । (उदाहरण)					
ख.	सब लड़कों ने दस आम खारे	मे ।			

	ख. कित वानराः फलम् खादन्ति ?
	उत्तर
	.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
ग. कति बालिकाः नृत्यन्ति ?	
उत्तर	到的期间
संशोधग	·

द्वाविंशः अश्यासः

सुभाषितानि

दिनांक
उद्देश्यश्लोकों का शुद्ध उच्चारण कराना, सस्वर पाठ का अभ्यास और मुख्य भावों का परिचय ।
1. नीचे लिखे भावों के अनुसार इलोक लिखो—
क. पुस्तक पढ़ने के पश्चात् अभ्यास करना आवश्यक है।
140-04-140-140-140-140-140-140-140-140-1
ख. गुणवान लोग नम्र होते हैं।

ग.	सुख देना पुष्य और दुख देना पाप है।
घ.	प्रिय वचन बोलने में कृपणता मत करो।
	······································
•	अधिक सन्तान वाले बड़े परिवार की अपेक्षा ग्रुणी सन्तान वाला छोटा परिवार अच्छा है।
संः	शोधन